रिपॉज़ेट्री नीति

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ("विश्वविद्यालय") ने अकादमिक संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने के मक़सद से अनूदित अकादमिक पाठ्य-सामग्री और दस्तावेज़ों के एक संग्रह ("रिपॉज़ेट्री") का निर्माण किया है। रिपॉज़ेट्री और उसमें शामिल संसाधनों (यहाँ आगे परिभाषित) की उपलब्धता और उपयोग इस रिपॉज़ेट्री नीति द्वारा ही परिचालित होंगे।

रिपॉज़ेट्री के संसाधनों का उपयोग :

- रिपॉज़ेट्री में हिन्दी और कन्नड़ भाषा में अनूदित शैक्षणिक संसाधन ("संसाधन") शामिल हैं। आम जनता के लिए ये संसाधन नि:शुल्क उपलब्ध होंगे।
- कोई भी रिपॉज़ेट्री के संसाधनों को किसी भी तरह से डाउनलोड, कॉपी, पुनरुत्पादित, पुनर्प्रकाशित, संशोधित, पोस्ट, प्रसारित, वितरित कर सकता है या अन्य किसी भी प्रकार से इन्हें उपयोग में ले सकता है, बशर्ते कि :
    i. संसाधनों के मूल स्रोत/स्रोतों और रिपॉज़ेट्री का उचित रूप से उल्लेख करे;
    ii. संसाधनों का उपयोग केवल गैर-व्यावसायिक, अनुसन्धान, व्यक्तिगत, शैक्षिक या गैर-लाभकारी उद्देश्यों के लिए किया जाए; और
    iii. जहाँ भी आवश्यक हो, संसाधन/संसाधनों को भविष्य में उन्हीं लाइसेंसिंग शर्तों के तहत लाइसेंस दिया जाए।

- रिपॉज़ेट्री के संसाधनों का उपयोग किसी भी माध्यम में वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए या विश्वविद्यालय की पूर्व अनुमति के बिना अनुमत उद्देश्यों के अलावा किन्हीं अन्य उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाएगा। अनुमतियों के लिए अनुरोध repository.ti@apu.edu.in पर किया जा सकता है।

उद्घोषणा:

- 'अनुवाद सम्पदा पर प्रकाशित सभी रचनाएँ उनके सम्बन्धित लेखकों, प्रकाशकों या कॉपीराइट धारकों की बौद्धिक सम्पदा हैं। यह रिपॉज़ेटरी एक ऐसा मंच है जो केवल ग़ैर-व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस पठन सामग्री को उपलब्ध कराता है। यहाँ उपलब्ध सामग्री को डाउनलोड या उसे हासिल कर लेने से यहाँ अपलोड की गई सामग्री पर रिपॉज़ेटरी के उपयोकर्ताओं को मालिकाना हक़ या कॉपीराइट का कोई विशेष अधिकार नहीं मिल जाता है।

- विश्वविद्यालय ने रिपॉज़ेट्री के माध्यम से पठन सामग्री को एक ओपन-सोर्स दस्तावेज़ के रूप में उपलब्ध कराने के लिए ज़्यादातर मामलों में आधिकारिक एजेंसियों/प्रकाशकों/व्यक्तियों से पठन सामग्री को अनूदित और डिजिटाइज़ करने की अनुमति प्राप्त की है। कुछ मामलों में, यदि एजेंसी का नाम दर्ज नहीं है या मुद्रित पुस्तक में किसी अधिकृत संस्था का उल्लेख नहीं है या अधिकार धारकों ने विश्वविद्यालय के नोटिस का जवाब नहीं दिया या किसी अन्य कारण से स्पष्ट सहमति प्राप्त नहीं की जा सकी, और विश्वविद्यालय मानता है कि दस्तावेज़ दुर्लभ है, आउट-ऑफ़-प्रिंट है और जिसे संरक्षित किए जाने की ज़रूरत है , वहाँ विश्वविद्यालय ने संसाधनों का अनुवाद करने और उन्हें डिजिटाइज़ करने की पहल की है।

- किसी खास संसाधनो के कॉपीराइट का मालिक चाहे तो repository.ti@apu.edu.in को इस सम्बन्ध में लिख कर विश्वविद्यालय से उन संसाधनो को हटाने का अनुरोध किया जा सकता है। विश्वविद्यालय संसाधनों के मालिकाना अधिकार का सम्मान करता है। संसाधन के मालिक से टेक-डाउन नोटिस प्राप्त होने पर, विश्वविद्यालय टेक-डाउन नोटिस का सम्मान करेगा और प्रासंगिक संसाधनों तक ओपन एक्सेस को तुरन्त हटा देगा।
- रिपॉज़ेट्री संसाधनों का एक ऑनलाइन संग्रह है और इसे संसाधनों के प्रकाशन मंच के रूप में नहीं माना जाएगा।

सम्पर्क :

इस नीति से सम्बन्धित कोई भी प्रश्न हो तो कृपया repository.ti@apu.edu.in पर सम्पर्क करें।